भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1195

उत्तर देने की तारीख : 23 मार्च, 2012

विद्यालयों में शिक्षकों की आवश्यकता

1195. श्री एन. बालगंगा:

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की संख्या कितनी है और इन विद्यालयों में शिक्षकों की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या देश में सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) शिक्षा का अधिकार अधिनियम के सुचारू कार्यान्वयन के लिए कितने शिक्षकों की आवश्यकता है;

(ङ) देश में वर्तमान में छात्र शिक्षक अनुपात क्या है; और

(च) सरकार द्वारा इस अनुपात में सुधार लाने और शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ0 डी. पुरंदेश्वरी)

(क) से (च): जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डीआईएसई), 2010-11 के अनुसार, जो प्रारंभिक स्तर की शिक्षा के लिए प्रतिवर्ष आंकड़े एकत्र करती है, प्रारंभिक स्तर पर सरकारी स्कूलों और अध्यापकों का राज्यवार ब्यौरा अनुबंध-। में दिया गया है। स्कूल शिक्षा 2009-10 को आंकड़ों (अनंतिम) के अनुसार सरकारी माध्यमिक स्कूलों और अध्यापकों का राज्यवार ब्यौरा अनुबंध-।। में दिया गया है। अध्यापकों के संबंध में दी गई सूचना सरकारी माध्यमिक स्कूलों सहित सभी श्रेणियों के माध्यमिक स्कूलों से संबंधित है।

नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के लागू हो जाने के अनुसरण में प्रारंभिक शिक्षा में अध्यापकों की अतिरिक्त आवश्यकता 5.08 लाख होने का अनुमान लगाया गया था। सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत 2001-02 से 2009-10 तक की अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को शामिल करने के लिए कुल 12,82,419 अध्यापकों के पद संस्वीकृत किए गए थे जिसकी तुलना में 31.3.2010 की स्थिति के अनुसार 10.30 लाख अध्यापक नियुक्त किए गए थे। आरटीई अधिनियम के लागू हो जाने के बाद वर्ष

2010-11 और 2011-12 में एसएसए के तहत अध्यापकों के 6,82,788 पद संस्वीकृत किए गए हैं। भर्ती में संचयी प्रगति, 12,26,441 अध्यापकों की है।

डीआईएसई 2010-11 के अनुसार कुल मिलाकर शिष्य-अध्यापक अनुपात प्राथमिक स्तर पर 32:1 और उच्च प्राथमिक स्तर पर 29:1 है। आरटीई अधिनियम में यह निर्धारित किया गया है कि शिष्य अध्यापक अनुपात प्रत्येक स्कूल के संबंध में बनाए रखा जाएगा। इसलिए राज्यों को सलाह दी गई है कि अध्यापकों के नियोजन को युक्तिसंगत बनाएं और एसएसए के तहत संस्वीकृत पदों के साथ-साथ वर्तमान राज्य क्षेत्र की रिक्तियों पर अध्यापकों की भर्ती में शीघ्र कार्रवाई करें ताकि अध्यापकों की कमी की समस्या का समाधान हो सके।

माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) की योजना में अन्य बातों के साथ-साथ शिष्य-अध्यापक अनुपात में सुधार लाने के लिए वर्तमान सरकारी माध्यमिक स्कूलों में अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति की व्यवस्था की गई है। आरएमएसए के तहत राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे वर्तमान माध्यमिक स्कूलों के लिए 52,352 अतिरिक्त अध्यापकों के पद संस्वीकृत किए गए हैं।

संलग्नक-I

विद्यालयों में शिक्षकों की आवश्यकता के बारे में श्री एन.बालगंगा द्वारा दिनांक 23.3.2012 को राज्य सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1195 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

डीआईएसई 2010 के अनुसार प्रारंभिक स्तर पर सरकारी स्कूलों और अध्यापकों की संख्या का ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सरकारी स्कूलों की संख्या	अध्यापकों की संख्या	शिष्य अध्यापक अनुपात
1	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	324	4426	10
2	आन्ध्र प्रदेश	79358	345078	18
3	अरूणाचल प्रदेश	4100	14701	18
4	असम	44371	166862	25
5	बिहार	67926	335183	58
6	चण्डीगढ़	114	2812	28
7	छतीसगढ़	46394	155007	24
8	दादर और नगर हवेली	273	1137	43
9	दमन और दीव	86	494	30
10	दिल्ली	2772	40342	40
11	गोवा	1055	3121	17
12	गुजरात	33552	198146	30
13	हरियाणा	14955	77375	27
14	हिमाचल प्रदेश	15126	48257	15
15	जम्मू और कश्मीर	22180	96809	12
16	झारखंड	40505	134590	41
17	कर्नाटक	46550	194268	24
18	केरल	4950	53230	20
19	लक्षद्वीप	46	701	14
20	मध्य प्रदेश	112014	266044	40
21	महाराष्ट्र	68972	288890	26
22	मणिपुर	2402	14066	13
23	मेघालय	7596	22352	15
24	मिज़ोरम	2335	11909	13
25	नागालैण्ड	2101	11923	16
26	उड़ीसा	57179	191144	29
27	पुदुचेरी	440	5434	13
28	पंजाब	20235	103588	20
29	राजस्थान	77531	269444	26
30	सिक्किम	895	7989	13
31	तमिलनाडु	36122	150820	28
32	त्रिपुरा	4217	29768	19
33	उत्तर प्रदेश	151465	491300	40
34	उत्तराखंड	17344	45513	21
35	पश्चिम बंगाल	79119	414724	32
	सभी राज्य	**1064604**	**4197447**	**31**

संलग्नक-II

विद्यालयों में शिक्षकों की आवश्यकता के बारे में श्री एन.बालगंगा द्वारा दिनांक 23.3.2012 को राज्य सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1195 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

स्कूल शिक्षा 2009-10 (अनंतिम) के अनुसार सरकारी माध्यमिक स्कूलों और अध्यापकों की संख्या का ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूलों की संख्या	सरकारी, सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूलों में अध्यापकों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	10386	187709
2	अरूणाचल प्रदेश	125	2734
3	असम	2539	61012
4	बिहार	2249	25593
5	छत्तीसगढ़	1289	12206
6	गोवा	81	3218
7	गुजरात	519	42829
8	हरियाणा	1618	36947
9	हिमाचल प्रदेश	845	8841
10	जम्मू और कश्मीर	1196	25370
11	झारखंड	973	9178
12	कर्नाटक	4504	109503
13	केरल	1031	97141
14	मध्य प्रदेश	3514	46948
15	महाराष्ट्र	2098	282957
16	मणिपुर	194	8750
17	मेघालय	8	4837
18	मिज़ोरम	203	3853
19	नागालैंड	119	6628
20	उड़ीसा	3957	64967
21	पंजाब	1651	27180
22	राजस्थान	6241	86832
23	सिक्किम	108	1512
24	तमिलनाड़	2170	30301
25	त्रिपुरा	420	8952
26	उत्तर प्रदेश	233	76917
27	उत्तराखंड	800	19122
28	पश्चिम बंगाल	21	727
29	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	41	1029
30	चंडीगढ़	43	1998
31	दादर और नगर हवेली	16	360
32	दमन और दीव	14	261
33	दिल्ली	209	10613
34	लक्षद्वीप	3	205
35	पुदुचेरी	68	3119
कुल		**49486**	**1310349**